AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

ज्यादा व बेहतर ई-कंटेंट देने पर मिलेगा सम्मान

लखनऊ विश्वविद्यालय ने अब शिक्षकों को प्रोत्साहित करने के लिए बनाया प्लान

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। शिक्षक द्वारा तैयार किया गया ई-कंटेंट उन्हें लखनऊ ही नहीं पूरे प्रदेश में पहचान दिला सकता है। लखनऊ विश्वविद्यालय ने ई-कंटेंट के महत्व को देखते हुए अपने शिक्षकों को ज्यादा और बेहतर गुणवत्ता के ई-कंटेंट तैयार करने पर सम्मानित करने की घोषणा की है। ई-कंटेंट का व्यावसायिक उपयोग होने पर उससे मिली 60 फीसदी राशि शिक्षक को देने की घोषणा लविवि पहले ही कर चुका है।

कोरोना के चलते पढ़ाई ऑनलाइन होती जा रही है। इसे देखते हुए ही लविवि ने यह घोषणा की है। सबसे ज्यादा ई-कंटेंट तैयार करने वाले पहले तीन शिक्षकों व उनका सहयोग करने वाले विभागाध्यक्ष और संकायाध्यक्ष भी सम्मानित होंगे। लविवि शिक्षकों को और अधिक ई-कंटेंट तैयार करने के लिए सहायता भी देगा। कोरोना के चलते कई महीनों से नियमित कक्षाएं न चल पाने से ऑनलाइन पढ़ाई हो रही है। ऐसी स्थिति के लिए न तो विद्यार्थी तैयार थे और ना ही शिक्षक। इसे देखते हुए सरकार ने ई-कंटेंट के लिए एक पोर्टल तैयार किया है। इस पोर्टल पर लविवि के शिक्षकों ने सबसे ज्यादा ई-कंटेंट दिए हैं। प्रो. आलोक कुमार ने यह संख्या और बढ़ाने को शिक्षकों को सम्मानित करने की घोषणा की है।

तैयार की ई-कंटेंट पॉलिसी

लविवि ने ई-कंटेंट की पॉलिसी भी तैयार की है। इसके अनुसार ई-कंटेंट की आमदनी में शिक्षकों को 60 फीसदी राशि दी जाएगी। बाकी का 40 फीसदी हिस्सा विश्वविद्यालय के पास रहेगा। लविवि में इस साल कई ऑनलाइन कोर्स को मंजूरी मिली है। इनमें कोई भी व्यक्ति दाखिला ले पायेगा। इन विद्यार्थियों की पढ़ाई ई-कंटेंट के माध्यम से ही हो पाएगी। जिन विभागों में ये पाठ्यक्रम चलने हैं, वहां इसकी तैयारी भी शुरू हो चुकी है। ई-कंटेंट इसमें भी काफी सहयोग करेगा।

लैब शुरू होने का इंतजार

लविवि में भी बड़ी चुनौती संसाधन की है। लविवि शिक्षक परिसर में एक ऐसी लैब चाहते हैं जिसमें वे अपने लेक्चर रिकॉर्ड कर सकें। लविवि में पिछले काफी समय से बंद वर्चुअल क्लास रूम भी इन परिस्थितियों में उपयोगी हो सकता था, लेकिन अभी तक वह बदहाल पड़ा है।

> मौजूदा परिस्थितियों में ई-कंटेंट एक अच्छा विकल्प है। लविवि अपने शिक्षकों को इसके लिए प्रोत्साहित कर रहा है। इसके तहत शिक्षकों को सम्मानित करने की घोषणा की गई है। परिसर में ई-कंटेंट तैयार करने के लिए सुविधा बढ़ाने पर भी विचार चल रहा है।
>
> **-डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव, प्रवक्ता, लविवि**